

# कृपा बनाम गिरधारी मुद्दा नं० 132/25

21/5/26

फरीकन उपस्थित/अनु. पीठासीन  
अधिवक्ता ~~195~~ पर है फरमावली  
पूर्व आज्ञा अनुसार दि 1952 से  
पैल है

रिजि-  
जयकाठ अधिवक्ता केर

19-5-26 पत्रावली पेशा हुई। वकीलवादी अडु० वकीलवादी  
को रूक-रूक कर आवाज लगवाई गई। किंतु न्यायालय  
समय तक उप० नहीं हुआ। अतः दावा वादी अदालत की  
अदालत पेशी में प्यारिज किया जाता है। पत्रावली केसल  
शुभार होकर बाद तकगील दारिबेल दफ्तर हो।